JVC
जनमुख
व्यापार चक्र
गणतंत्र की असली ताकत कौन ?
happy
republic day 2026

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

VISHAL
BAKER'S

Prop. Vijay Mulani, Shubham Mulani

- Fresh Cream Cakes
- Pastries
- Patties
- Butter Cookies
- Soup Sticks
- Pizza Base

Sigra, Mahmoorganj Road, Varanasi ● Lanka, Varanasi
Ph.: 09369272017 / 9415371544

सम्पादकीय

संविधान की भावना अमल में लाना सबसे जरुरी

सरोज सिनहा
समाचार संपादक

गणतंत्र दिवस भारत के इतिहास का अत्यन्त महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। जिसे हम हर वर्ष 26 जनवरी को पूरे गर्व और सम्मान के साथ मनाते हैं। इसी दिन भारत का संविधान लागू हुआ था और देश को एक संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। यह दिन हमें समानता न्याय और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। भारतीय गणतंत्र की लंबी यात्रा का जिक्र करें तो 15 अगस्त 1947 को भारत जब आजाद हुआ तब देश को जरूरत थी एक मजबूत ढांचे की। तभी संविधान बनाने के लिए डा. भीमराव अम्बडेकर की अध्यक्षता में संविधान का गठन 17 अक्टूबर 1949 को हुआ था। इस संविधान की रूपरेखा के लिए जब संविधान सभा विचार के लिए बैठी थी, तब जनता को मिली शक्ति पर संदेह भी जताया गया और विश्वास भी। संविधान गठन में करीब तीन वर्ष का समय लग गया। आखिरकार 26 नवम्बर 1949 को इंडियन कस्टीट्यूशन अपनाया गया। लेकिन इसको लागू किया गया था 26 जनवरी 1950 को। क्योंकि 1930 में इसी तारीख को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूर्ण स्वराज की घोषणा की गयी थी। यही वजह है कि स्वतंत्रता दिवस की तरह ही हर वर्ष गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होता है। इस दिन भारत के राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं और देशवासियों को संदेश देते हैं। इसलिए गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हमें अपने देश और संविधान के प्रति गर्व का अहसास होना चाहिए। भारतीय गणतंत्र ने भारतीयों के स्वभाव को पूरी उदारता और संघर्षशील के साथ विकसित किया है। गणतंत्र दिवस हमारे आधार मूल्यों और सिद्धान्तों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे हुए हैं, जो बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित गीत की विरासत का जश्न मनाती है। कुल मिलाकर देश की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रभक्ति और आत्मनिर्भरता पर केन्द्रित है। परेड का मुख्य विषय स्वतंत्रता का मंत्र 'वंदेमातरम्' और समृद्धि का मंत्र 'आत्मनिर्भर' भारत है। समय के साथ भारत संविधान से चलता है। चुनाव होते हैं, सरकारें बदलती हैं-ये गणतंत्र की बड़ी ताकतें हैं। आम आदमी को वोट का अधिकार है, बोलने की आजादी, अदालतों तक पहुंच है। इस मायने में हम काफी आगे आए लेकिन दूसरी तरफ ये भी है कि संविधान की भावना और जमीनी हकीकत के बीच फासला बढ़ा है। अधिकार सबके पास है पर न्याय सबको बराबरी और समय पर नहीं मिलता। यहां तक कि नागरिक से ज्यादा हम कई बार सिर्फ वोटर या समर्थक बनकर रह गए हैं। देखा जाए तो हम एक मोड़ पर खड़े गणतंत्र हैं जहां हम चुनाव वाला गणतंत्र चाहते हैं। यह संविधान समानता और जिम्मेदारी वाला गणतंत्र है। आइए गणतंत्र दिवस के दिन हम संकल्प लें कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा के साथ पालन करेंगे, देश की अखंडता और एकता को बनाए रखने की दिशा में काम करेंगे। साथ ही अपने साथ दूसरे के अधिकारों को भी ध्यान में रखेंगे। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

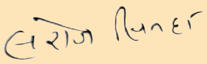

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार, अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल,
सभापति
श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष
अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन, अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

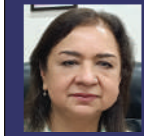

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'

समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा

फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com

जनमुख हिन्दी दैनिक के लिए निःशुल्क प्रकाशित

शुभकामनाएं

जनमुख परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी पाठकों, शुभेच्छुओं और विज्ञापनदाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रबंधक

गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

देश 26 जनवरी 2026 को अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह ऐतिहासिक दिन 1950 में भारतीय संविधान को अपनाने का प्रतीक है, जिसने राष्ट्र को एक लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया। इन 77 वर्षों में भारत का गणतंत्र तमाम अटकलों और संभावनाओं को नकारते हुए पूरी तरह सुरक्षित और आम आदमी के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए प्रयत्नशील रहा है। तमाम मौके आए हैं जब भारत के नागरिकों के अधिकारों पर अतिक्रमण की भी कोशिश हुई है लेकिन देश के नागरिकों ने ही इन कोशिशों का करारा जवाब दिया है। ऐसे में आज के दौर में सवाल उठता है कि क्या आज भी हमारा गणतंत्र उतना ही मजबूत है? और उसकी सबसे बड़ी ताकत क्या है? आइए जानते हैं इस बारे काशी के लोगों का क्या कहना है।

वोट देने का अधिकार हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

भारत में गणतंत्र की ताकत के बारे में बात करें तो भारत में हर नागरिक का वोट देने का अधिकार इसकी सबसे बड़ी ताकत है। जिसकी बदौलत वह सरकार को बदल सकता अपनी पसंद की सरकार चुन सकता है। इसके साथ ही हमारा संविधान सभी नागरिकों को चाहे अमीर हों या गरीब सभी को बराबर का हक मिलता है। इसके साथ ही हमारे गणतंत्र की यह भी खासियत है कि अलग-अलग वर्गों, समुदायों और धर्मों के होने के बाद भी हम एकता के साथ रहते हैं।

डॉ. वैभव पाण्डेय
रेडियोलॉजिस्ट

एकता में अनेकता हमारे गणतंत्र की खूबसूरती

वर्तमान समय में हम सब 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत पंथनिरपेक्षता, समाजवाद और आपस में मिलजुल कर रहने की संस्कृति है। हम अनेक होते हुए भी एक हैं यही भारत के गणतंत्र की ताकत है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हम शक्ल,सूरत, वेश-भूषा में भले ही अलग है लेकिन हम सभी भारतवासी हैं। यही हमारी एकता है और यही हमारे गणतंत्र की खूबसूरती है।

डा. प्रियंका तिवारी
प्रिंसिपल हरिश्चन्द्र बालिका इण्डरमीडिए कॉलेज

मजबूत गणतंत्र के लिए समान शिक्षा सबसे जरुरी

हमारे गणतंत्र गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है शिक्षा। देश के हर लड़की और लड़के को बराबर की शिक्षा मिलनी चाहिए। इससे परिवार का, समाज का और देश का हित होता है। शिक्षा के जरिए हम अपनी आनी वाली पीढ़ी को भी मजबूत बनाते हैं। चिकित्सक के नाते भी हमने देखा है कि एक शिक्षित मरीज को उसकी बीमारी के बारे में बताना और समझाना आसान होता है। जो धैर्य आती है, नॉलेज आती है आपको शिक्षा के जरिए, वो आपको कोई और नहीं दे सकता। तो मेरी समझ से हम सबको जागरुकता की जरुरत है।

डॉ. **श्रेया केशरी**
नेत्र चिकित्सक, साह हॉस्पिटल

संविधान हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

गणतंत्र दिवस हम सबके बचपन में सिर्फ एक लड्डू का स्वरुप था। जैसे-जैसे हम बड़े हुए हमने समझा कि गणतंत्र दिवस कितना जरुरी है हम सबके लिए। हमारा देश आजाद तो हो गया था लेकिन उसको चलाना कैसे है उसे बढ़ाना कैसे है, उसे एक परिवार की तरह लेकर आगे कैसे बढ़ना है यह नहीं पता था जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने संविधान का निर्माण किया। यह संविधान हमारे लिए बहुत जरुरी है। जैसे एक परिवार के लिए नियम की जरुरत होती है वैसे ही इस देश को परिवार की तरह चलाने के लिए संविधान बहुत जरुरी था। यह संविधान ही हमारे गणतंत्र की ताकत है।

डॉ. खूशबू गहोई
एडी लैब पैथालॉजी, मलदहिया

सबसे जरुरी है हम सही सरकार चुने

हमारा वोट देने का अधिकार ही हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए यह जरुरी है कि सभी वोट दें और अच्छे से अपनी पसंद की सरकार चुनें जो देश को प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ाए।

डॉ. अनंत मानसिंघा
दंत रोग विशेषज्ञ

हमारा संविधान गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

हम यह कहते हुए गर्व होता है कि हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा संविधान हमारी ताकत है। ऐसे में यह समझना जरुरी है कि आज का दिन हम क्यों मनाते हैं, आज के दिन का महत्व क्या है। आम तौर पर हम जानते हैं कि आज के दिन परेड निकलेगी इंडिया गेट पर, देश की झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी, नेताओं की स्पीच देखने को मिलेगी। और वर्ष भर की उपलब्धियां बतायी जाएंगी। आप जानते हैं कि यह सब क्या दर्शाता है? दर असल यह दिखाता है कि हमारे देश की ताकत क्या है। इतने दिनों में हम कितना आगे आ गए। हमारे देश का संविधान एक किताब नहीं बल्कि हमारे देश की आत्मा है। गणतंत्र दिवस सिर्फ एक दिन सेलिब्रेट करने का अवसर नहीं। यह वो जिम्मेदारी है, वो आत्मियता है, वो विचार है जो हर युवा दिल में धड़कना चाहिए। युवा सिर्फ वो नहीं जो हमेशा जोश में रहे बल्कि आज के युवा वो है जो संविधान की जिम्मेदारियों को भी समझे। आज के दिन यह बहुत जरुरी है कि आज के युवा समझे कि हमारे संविधान ने हमें क्या ताकत दी है। हमें उस संविधान की गरिमा को कैसे बनाए रखना है। और कैसे आगे बढ़ाना है। कैसे हमारे देश को एकजुट होने की जरुरत है। आज विश्व में तमाम समस्याएं चल रही हैं। या यूं कहें कि विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा है तो ऐसे में हमारी जिम्मेदारी क्या है, हमारा भारत कैसे सुरक्षित रहेगा। ऐसे में हम सब एक जुट कैसे रहेंगे। कैसे जात-पात, धर्म-सम्प्रदाय छोड़कर पूरे विश्व में दीवार तरह एक जुट खड़ रहेंगे। देश को बढ़ाना, भारत का परचम लहराना हर यूथ की जिम्मेदारी है यह बताता है आज का दिन।

सी.ए. सोनिया अग्रवाल

वैचारिक स्वतंत्रता हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

मैं सभी सम्मानित दर्शक व जनमुख के पाठक को कहना चाहूंगा कि यहां विविधता के बावजूद जो एकता है यहां विभिन्न धर्म, संस्कृति विभिन्न सोच व विचार के लोग पुष्पित व पल्लवित होते हैं। यह हमारे यहाँ लोकतंत्र गणतंत्र की अच्छी खूबसूरती है। यहां हम सब दूसरे के विचारों को उतने ही सम्मान देते हैं जो अपने विचार को देते हैं। हमारे समस्त श्रोता व विद्यार्थी को एक ही बात कहूंगा कि यह देश किसी एक सोच का नहीं है। एक विचार का नहीं है। यह देश विभिन्न प्रकार के सोच विभिन्न प्रकार के लोगों की जाति- धर्म और जो कुछ यहां पर अनेकता है वह सभी अपनी कुछ न कुछ आहुति देने के कारण इतना सुंदर है यहां जो भावी पीढ़ी है वह भविष्य के जो राष्ट्रनिर्माता है सभी को मैं यह कहना चाहूंगा कि आप एक बात का ध्यान में रखें कि हम कैसे अपने देश के उत्थान में प्रगति में जो कुछ हमसे बन पाता है वह हम करें।

संतोष कुमार तिवारी
इण्टरनेशनल हिन्दू स्कूल

विश्व का सबसे उत्तम संविधान हमारे पास है

गणतंत्र दिवस पर सभी भारतवासियों को शुभकामनाएं और हार्दिक अभिनंदन करता हूं। हमारा संविधान है वह विश्व का सबसे उत्तम संविधान है। इस संविधान के कारण एकता, अखण्डता व सम्बलता बरकरार है। भारत विश्वगुरू भी बनने वाला है। भारत विश्व का सबसे महत्वपूर्ण देश है। देश में सभी धर्म के लोग जाति के लोग एक साथ एक परिवार के रूप में रहते हैं। यह हमारी महानता है।

डा. रामबाबू, प्रबंधक एकता पब्लिक स्कूल

समावेशी संविधान देश को एकजुट बनाए रखता है

भारत का संविधान बहुत ही लचीला व सर्वसमावेशी संविधान है। जो स्वतंत्रता, समानता न्याय व कर्तव्य प्रदान करता है और देश को एकजुट व मजबूत बनाये रखता है। यह हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती मीरा, गोपी मान्टेश्वरी

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे बड़ी ताकत

आज के भारत में गणतंत्र की जो परिभाषा व व्यवस्था है इसपर मैं यह कहना चाहूंगा कि संविधान में प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हैं। कहीं भी आने-जाने की आजादी है। सर्वधर्म समभाव की जो भावना संविधान में निहित है यह हमारे गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

अब्दुल मन्नान, आइसेकी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

वाराणसी में कैंसर मरीजों के लिए नई उम्मीद-
चक्रपाड़ी कैंसर व मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

- मुख एवं गले का कैंसर (ORAL CANCER)
- स्तन कैंसर (BREAST CANCER)
- फेफड़े का कैंसर (LUNG CANCER)
- बच्चेदानी का कैंसर (CERVICAL CANCER)
- पेट का कैंसर (GASTRO CANCER)

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कैंसर सर्जरी एवं कैंसर किमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध है।

कैंसर उपचार में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. अजय कुमार को मिले सम्मान'

जागरण हेल्थ & वेलनेस अवार्ड- 2025

काशी रत्न पुरस्कार
शांति सद्भावना समिति, वाराणसी द्वारा 26 जनवरी 2024 को प्रदान किया गया।

नेशनल प्रेसिडेंट विशेष प्रशंसा पुरस्कार
इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA), दिल्ली द्वारा 14 अक्टूबर 2022 को प्रदान किया गया।

पायनियर्स इन हेल्थकेयर
आउटलुक मैगजीन द्वारा सम्मानित।

राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश जी द्वारा सम्मानित
3 मई 2022 को कोरोना महामारी के दौरान भी कैंसर केयर के लिए असाधारण कार्य हेतु।

श्री अनिल राजभर कैबिनेट मंत्री (उत्तर प्रदेश) एवं आयुष मंत्री श्री दयाशंकर मिश्रा जी द्वारा सम्मानित

चक्रपाड़ी कैंसर व मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
शिवदासपुर, मंडुवाडीह, वाराणसी। कॉल: 92504 24775, 91201 10286

With Best Wishes
RECONIZED BY GOVERNMENT
EKTA PUBLIC SCHOOL
C. B. S. E. (NEW DELHI) PATTERN
H. O. : BARI GAIBI. VARANASI-221009
School Code : 09670901955
B. O. : DEORIA (BANGALA) CHUNAR, MIRZAPUR
School Code : 09690912903
Mobile : 9335333334, 9336233866 7905242996,

With Best Wishes
S.S.V. English
(Day Boarding & Hostel) School
Bhelupur, (opp. Pani Tanki) Varanasi.
Ph. 775501006, 8052111162

भारत के गणतंत्र में खुद नागरिक उसकी सबसे बड़ी ताकत

भारतीय लोकतंत्र में सबसे ज्यादा अहम भूमिका है खुद भारत के नागरिकों की और मेरे ख्याल से भारत गणतंत्र की सबसे असली एवं बड़ी ताकत भारत का नागरिक है। जो सोच समझ कर काफी लंबे अर्से से अच्छी सरकारों का चुनाव करता आया है। और उसका हस्तांतरण भी जो होता है वह हमारे यहां बहुत शांति पूर्ण तरीके से होता है। दूसरी चीज हमारा भारत का संविधान है जो संविधान की प्राथमिकताएं हैं स्वतंत्रता, समानता और न्याय प्रणाली वह संविधान में निहित है। संविधान द्वारा जो अधिकार और कर्तव्य दिए गए हैं उनका पालन होता है हम सबके द्वारा। ये संविधन सभी चीजों से ऊंचा, श्रेष्ठ माना जा रहा है।

डॉ. शशिबाला

Democracy is powerful weapon

"Democracy is a gorenment of the people, for the people and by the people" It is greatest powerful weapon of demoeracy. today.

Dr. Anil Dwivedi
(chairman) Alplabet international School Badi Gaibi Varanasi.

कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें

गणतंत्र दिवस के दिन ही डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान लागू हुआ था। यह संविधान जहां हमें समानता का अधिकार देता है वहीं हर नागरिक कों स्वतंत्रता और न्याय की भी गारंटी देता है। भारत का संविधान ही भारत के गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

गौरव सोनी
विश्वनाथ ज्वेलर्स

समानता का अधिकार देता है संविधान

गणतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि इसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है। यहाँ कोई राजा या शासक जन्म से नहीं बनता, बल्कि जनता अपने मत से सरकार चुनती है और समय आने पर बदल भी सकती है। यही व्यवस्था सत्ता को जवाबदेह बनाती है। भारत का संविधान गणतंत्र की रीढ़ है। यह हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। जाति, धर्म, भाषा या वर्ग से ऊपर उठकर कानून सबके लिए एक-सा होता है। यही समानता गणतंत्र को मजबूत बनाती है। गणतंत्र की ताकत केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि अभिव्यक्ति की आज़ादी, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, मीडिया की भूमिका और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती से और सशक्त होती है। जब नागरिक सवाल पूछते हैं, विरोध करते हैं और सच बोलते हैं, तब गणतंत्र जीवित रहता है।

डॉ. दिलीप यादव
अस्थि रोग विशेषज्ञ

कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें

वर्तमान में हम 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। हमें अपने कर्तव्यों का अच्छे से निर्वहन करना है। हम चाहे जिस क्षेत्र में हों, हम अपने क्षेत्र में ही बेहतर करें तथा अपने लक्ष्य को ईमानदारी से प्राप्त करें। ताकि वह देश की प्रगति में काम आए।

डॉ. अभिषेक उपाध्याय
नेत्र रोग चिकित्सक
भार्गव चश्मा

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह में क्या होता है अंतर

पूरा देश सोमवार को 77वां गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए तैयार है। 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू हुआ था और भारत गणतंत्र बना था। इसीलिए हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के नियम और तरीके अलग-अलग हैं। अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं कि कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के अंतर...

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय उत्सव हैं। दोनों ही अवसर पर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत देशवासी जश्न मनाते हैं। स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं के महान बलिदान व योगदान को याद करते हैं।

जहां गणतंत्र दिवस पर लोगों को भव्य परेड का इंतजार रहता है तो वहीं स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्रचारी से प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन का।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस- दोनों ही अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, उसका सम्मान किया जाता है, लेकिन दोनों के तौर-तरीके बहुत अलग होते हैं। राष?ट्रीय की स्थिति मायने रखती है।

अंतर-1

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने से पहले उसे बांधकर पोल खंभे के पास रखा जाता है। जब प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए डोरी खींचते हैं तो पहले तिरंगा ऊपर उठता है और फिर फहराता है, इसे ध्वजारोहण फ्लैग होस्टिंग कहते हैं।

वहीं गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने के से पहले उसे बांधकर पोल के शीर्ष पर बांध दिया जाता है, जब राष?ट्रपति डोरी खींचते हैं तो वह फहरने लगता है। इसे झंडा बंधन या झंडा फहराना अन्फर्ल कहा जाता है।

पीएम करते हैं ध्वजारोहण, राष्ट्रपति फहराते तिरंगा

इसके पीछे की वजह है कि जब देश आजाद हुआ था, तब तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ब्रिटिश सरकार का झंडा उतारकर भारत के झंडे को ऊपर चढ़ाकर फहराया था। उस वक्त भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गर्वनर थे, लेकिन वे ब्रिटिश सरकार के अफसर थे। इसलिए यह काम पीएम ने किया था।

जब डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के पहले राष्ट्रपति बने तो उन्होंने 26 जनवरी, 1950 को पहले गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराया, उस वक्त राष्ट्रीय ध्वज पहले से ही ऊपर बंधा था तो उसे खोलकर फहराया गया था, ऊपर उठाकर नहीं। तब से हर साल गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

गणतंत्र दिवस और स?वतंत्र दिवस के कार्यक्रमों में है ये अंतर

स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण लाल किले की प्राचीर से किया जाता है, जबकि गणतंत्र दिवस तिरंगा राजपथ पर फहराया जाता है।

26 जनवरी को राष्ट्रपति ध्वज फहराते हैं, जबकि 15 अगस्त पर देश के प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर दूसरे देश के राजनयिकों को आमंत्रित किया जाता है, जबकि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी अतिथि को नहीं बुलाया जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह का समापन 29 जनवरी को बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ होता है, स्वतंत्रता दिवस पर आयोजन 15 अगस्त को खत्म हो जाता है।

गणतंत्र दिवस पर देश की सैन्य ताकत व सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देशवासियों के सामने झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाती है जबकि स्वतंत्रता दिवस पर देश की उपलब्धियां प्रधानमंत्री बताते हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

aakarshan
Exclusive collection of
Glass Ware, Bone China & Plastic Ware
D-59/142-1 Sigra-Mahmoorganj Road, Varanasi-221010

Happy Republic Day
ALPHABET
INTERNATIONAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Add:-N15/153G-2-A, Badi Gaibi (Near Pani Tanki)
Varanasi I Mob: 8765636131, 8896100690

आज गणतंत्र दिवस है

छब्बीस की तारीख थी, चढ़ा जनवरी मास,
पूर्ण स्वराज मिला हमें उन्नीस सौ पचास,
आज गणतंत्र दिवस है॥
मातृभूमि का हो रहा तीन रंग अभिषेक
श्वेत शांति है,हरित क्रांति है,नील चक्र है एक,
शौर्य का रंग केसरिया॥
बालक -वृद्ध-जवान सब, लिए तिरंगा हाथ,
हिंदू -मुस्लिम- सिख -ईसाई क़दम मिलाते साथ,
विजय जन -गण -मन ये॥
धरती फूलों से पटी सुरभित चले बयार,
गेहूं -तीसी से भरे खेत हुए गुलज़ार
संदेशा लाये मधुकर॥
सहजन फूला बावरा, महुआ मारे बाण,
झकझोरे सूरजमुखी बांस सुनावे तान
सखी, मधुमास आ गया॥
लहक बहक कर चहकते पाखी नये विहान,
नई उमंगों से सजा सारा हिंदुस्तान
चली जयहिंद की सेना॥

डॉ. एस. बाला

गणतंत्र दिवसः आत्ममंथन का भी दिन

26 जनवरी भारत के इतिहास का वह स्वर्णिम दिन है, जब देश ने स्वयं को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न गणतंत्र घोषित किया। इसी दिन 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ और देश की सत्ता राजा या शासक से निकलकर सीधे जनता के हाथों में आई। यही कारण है कि गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना का उत्सव है। गणतंत्र का अर्थ केवल सरकार चुनना नहीं है, बल्कि संविधान के अनुसार शासन चलाना है। भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत और मजबूत संविधानों में से एक है, जो हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। जाति, धर्म, भाषा या वर्ग से ऊपर उठकर कानून सबके लिए समान होना गणतंत्र की आत्मा है। गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि देश की असली ताकत उसकी सेना या संसाधनों में नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों में होती है। मतदान करना, सवाल पूछना, असहमति व्यक्त करना और संविधान की रक्षा करना—ये सभी गणतंत्र को जीवित रखते हैं। जब नागरिक चुप हो जाते हैं, तब गणतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। आज के समय में गणतंत्र दिवस केवल परेड देखने या झंडा फहराने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह आत्ममंथन का दिन है—

क्या हम अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी निभा रहे हैं?

क्या हम संविधान की भावना को समझ रहे हैं और उसका सम्मान कर रहे हैं?

गणतंत्र दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि संविधान से बंधा एक जीवंत विचार है। जब तक नागरिक सचेत रहेंगे, सवाल पूछेंगे और संविधान पर विश्वास रखेंगे—तब तक भारतीय गणतंत्र मजबूत रहेगा। गणतंत्र दिवस की सार्थकता इसी में है कि हम संविधान को सिर्फ किताब में नहीं, अपने आचरण में उतारें।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल मन्नान
आईसेकी इंस्टीट्यूट

GOPI MONTESSORI PUBLIC SCHOOL
CBSE (NEW DELHI PATTERN)
Happy Republic Day
Ajay Kumar Gwal
Director
B22/171, B7 SHANKULDHARA, KIRAIYYAH ROAD, VARANASI. Mob: 9026428366

Happy Republic Day
श्री
BANARASI
FEEL THE BEAUTY
SAREE LEHENGA SUITS INDO-WESTERN KURTI FABRICS
Address - Vinayak Plaza, Maldahiya Crossing, Varanasi

SAH HOSPITAL
60 years of excellence in maternity & eyecare
65 वर्षों से नेत्र चिकित्सा में उत्कृष्ट नाम
साह हॉस्पिटल रामकटोरा, वाराणसी
फोन– 0542–2202263, 64 मो0– 8400800365, 67
आँखों की सभी बिमारियों का आधुनिकतम तकनीकों व विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इलाज
मधुमेह जनित नेत्र रोगों व पर्दे के रोगों Retinal Detachment, Macular hole ARMD & Injury का आधुनिकतम उपचार सबसे अनुभवी चिकित्सकों द्वारा

डॉ. सुनील साह
वरिष्ठ पर्दा रोग विशेषज्ञ
शंकरा नेत्रालय चेन्नई

डॉ. सोनल साह मेहरोत्रा
अनुभवी पर्दा रोग विशेषज्ञ

डॉ. प्रसन्जीत मण्डल
विख्यात पर्दा रोग विशेषज्ञ
अरविन्द हॉस्पिटल, पाण्डेचेरी

डॉ. प्रसन्जीत मण्डल द्वारा परामर्श व ऑपरेशन 08 फरवरी 2026 को

Dr. Shreya Keshari
MS (PGIMER, Chandigarh
Oculoplasty & Squint Specialist

- आँखों से पानी आना
- झुकी पल्को (Ptosis)
- आँखों का तिरछापन
- तिल, मुहासे व झुरिया
- आँखों के नीचे के धब्बे
- आँखों का टयूमर व सिस्ट
- फ्रेक्चर का कृत्रिम आँख

चश्में से आजादी कुछ ही मिनटों में
सर्वश्रेष्ठ एवं नवीनतम लेसिक लेजर विधि द्वारा
iDesign Customised
विश्व की किसी भी तकनीक से बेहतर

Dr. Rishabh Sah
MS (MAMc, New Delhi)
Cornea, Cataract & Refractive Surgeon

मोतियाबिंद को न बनने दें अपनी जिंदगी में रुकावट
अब कराएं AI- गाइडेड इलाज, जो है:
बिना टांका । बिना सुई
कुछ ही मिनटों में पूरी प्रक्रिया

भारत में गणतंत्र दिवस के लिए 26 जनवरी ही क्यों चुना गया?

रत इस साल अपना 77वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 को मना रहा। जो सोमवार को पड़ रहा है। यह वार्षिक आयोजन 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान को अपनाने की याद में मनाया जाता है, जिसने भारत को एक संप्रभु गणराज्य बनाया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुबह के समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके बाद राष्ट्रगान होगा, भारतीय संविधान के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में थीम आधारित बैनर और गुब्बारे छोड़े जाएंगे और अंत में 47 विमानों द्वारा फ्लाईपास्ट के साथ समापन होगा।

भारत के गणतंत्र दिवस के पीछे का इतिहास

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को हमारे भारतीय संविधान के लागू होने की याद में मनाया जाता है। भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, लेकिन तब तक भारत के पास अपना कोई संविधान नहीं था। बल्कि, भारत सरकार के कानून मुख्य रूप से भारत सरकार अधिनियम 1935 पर आधारित थे। बाद में 29 अगस्त 1947 को हमारे देश का स्वतंत्र संविधान बनाने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर की अध्यक्षता में मसौदा समिति को अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

26 जनवरी को ही क्यों चुना गया?

भारतीय संविधान को तैयार होने में 2 साल और 11 महीने का समय लगा। आखिरकार, 26 जनवरी, 1950 को हमारा भारतीय संविधान लागू हुआ। 26 जनवरी की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि 1930 में पूर्ण स्वराज, भारतीय स्वतंत्रता की घोषणा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा की गई थी। इसलिए, देश स्वतंत्रता दिवस मनाता है, जब भारत ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ, जबकि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान की स्थापना का प्रतीक है।

भारत गणतंत्र दिवस का महत्व

भारत का गणतंत्र दिवस बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस दिन को चिह्नित करता है जब भारत 1950 में एक गणतंत्र बना था। इस दिन, भारतीय संविधान लागू हुआ, जिसने देश को अपने स्वयं के कानून और अधिकार दिए। यह भारत के एक उपनिवेश से एक स्वतंत्र और स्वतंत्र राष्ट्र बनने की यात्रा को दर्शाता है। गणतंत्र दिवस हमें हमारे नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और बलिदान की याद दिलाता है। यह लोकतंत्र, समानता और हमारे संविधान द्वारा निर्धारित मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक के पास अधिकार और स्वतंत्रता हो।

Happy Republic Day
DR. KHUSHBOO GAHOI
M.B.B.S, MD (Path)
Ex Sr. Trauma Centre B.H.U
ADLABS
Providing answers that Matter
+91 89799 70764 khush.gahoi26@gmail.com
S-17/331 H, Maldahiya, Varanasi

Happy Republic Day

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस पर बच्चों को करवाएं ये एक्टिविटीज, बच्चों में मन में जागेगी देशभक्ति

पूरे देश में 26 जनवरी को उत्साह में रिपब्लिक डे मनाया जाता है। इस दिन को खास बनाने के लिए आप भी बच्चों से 6 तरह की एक्टीविटीज में इन्वॉल्व कर सकते हैं। जिसे करने से बच्चों के मन में देश के लिए भक्ति और सम्मान का जज्बा आएगा। इसके साथ ही देश के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

देशभक्ति के लिए निबंध लिखवा सकते हैं

बच्चों को रिपब्लिक डे पर निबंध जरुर लिखवाएं। कैसे आप रिपब्लिक डे को कैसे सेलिब्रेट कर सकते हैं।

बच्चों को देशभक्ति सॉन्ग सिखा सकते हैं

गणतंत्र दिवस पर बच्चों को देशभक्ति सॉन्ग गाने की प्रैक्टिस करवा सकते हैं। रिपब्लिक डे इवेंट पर परफार्म करने के लिए बच्चों को वंदे मातरम, ऐ वतन जैसे गानों को गाने की प्रैक्टिस करवाएं।

टीवी पर परेड दिखाएं

इस दिन बच्चों को नेशनल टीवी पर आने वाली रिपब्लिक डे परेड जरुर दिखाएं। इससे बच्चों को देश की अचीवमेंट्स, मिलट्री फोर्सेस और कल्चरल डायवर्सिटी का पता चलता है।

राष्ट्रगान जरूर याद करवाएं

इस खास दिन पर बच्चों को देशभक्ति और रिपब्लिक डे के बारे में जानकारी दें और इसके साथ ही नेशनल एंथम जरुर याद करवाएं।

फ्लैग होस्टिंग में ले जाएं

रिपब्लिक डे पर बच्चों को झंडा फहराने जरुर भेजें। इसके साथ ही आप झंडा फहराने का महत्व जरुर बताएं।

पोस्टर बनवाएं

बच्चों के साथ मिलकर रिपब्लिक डे आधारित थीम पर पोस्टर जरुर बनवाएं। इस दिन मिलिट्री, कल्चर और देश से संबंधित अचीवमेंट पर पोस्टर बनाने के लिए जरुर कहें।

खा़लिद अंसारी: विरासत से विकास तक–वाराणसी के भविष्य की नींव रखने वाला शांत नेतृत्व

जहाँ कुछ व्यवसाय समय के साथ जन्म लेते हैं, वहीं कुछ व्यवसाय समय के साथ भरोसे और मूल्यों की विरासत बन जाते हैं। Coral Group ऐसी ही एक विरासत है—जो 150 वर्षों पहले एक पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय के रूप में शुरू हुई और समय के साथ विकसित होकर एक संगठित, बहुआयामी बिज़नेस समूह बन गई। इसी विरासत को आधुनिक दृष्टि, पेशेवर अनुशासन और दीर्घकालिक सोच के साथ आगे बढ़ा रहे हैं. खा़लिद अंसारी मैनेजिंग डायरेक्टर, Coral Group।

वाराणसी—अपनी आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और ऐतिहासिक पहचान के लिए विश्वविख्यात—आज आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, संगठित टूरिज़्म और उद्यमिता के नए अध्याय लिख रहा है। इस परिवर्तनशील दौर में जिन नेतृत्वकर्ताओं ने बिना शोर, लेकिन ठोस कार्यों से शहर के विकास में योगदान दिया है, उनमें.खा़लिद अंसारी एक विशिष्ट नाम बनकर उभरे हैं।

विरासत से समूह तक: Coral Group की यात्रा

Coral Group की जड़ें एक पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय में रही हैं—जहाँ भरोसा, गुणवत्ता और रिश्तों को हमेशा प्राथमिकता दी गई। समय के साथ यह विरासत एक आधुनिक और पेशेवर बिज़नेस समूह में परिवर्तित हुई।

इसी विकास क्रम में वर्ष 2010 से Coral Group ने रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में औपचारिक रूप से प्रवेश किया और तब से यह समूह वाराणसी के शहरी विकास का एक महत्वपूर्ण भागीदार बन चुका है।

शांत स्वभाव, स्पष्ट दृष्टि

खा़लिद अंसारी उन उद्यमियों में से हैं जो दिखावे के बजाय स्थायित्व में विश्वास रखते हैं। उनका नेतृत्व शांत, संतुलित और परिणाम-उन्मुख है। उनके लिए व्यवसाय केवल मुनाफ़े का साधन नहीं, बल्कि पारदर्शिता, अनुशासन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की प्रक्रिया है।

उनकी सोच में विरासत का सम्मान और आधुनिक प्रबंधन का संतुलन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है—जो Coral Group की कार्यशैली में झलकता है।

'समाज से जो मिला, समाज को लौटाना'–नेतृत्व दर्शन

खा़लिद अंसारी की सोच का एक मूल सिद्धांत स्पष्ट है—'समाज से जो भी अर्जन होता है, उसका एक बड़ा हिस्सा समाज को वापस जाना चाहिए।'

वे मानते हैं कि व्यवसाय की सफलता तभी सार्थक होती है, जब उसका लाभ व्यापक समाज तक पहुँचे। यही कारण है कि Coral Group की गतिविधियाँ केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि शिक्षा, स्थानीय रोज़गार, युवाओं को अवसर और सामुदायिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी सकारात्मक प्रभाव छोड़ती हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और टूरिज़्म–एक संतुलित दृष्टिकोण

खा़लिद अंसारी मानना है कि किसी भी शहर का विकास तभी स्थायी होता है, जब इंफ्रास्ट्रक्चर और टूरिज़्म साथ-साथ आगे बढ़ें। इसी सोच के साथ Coral Group ने हॉस्पिटैलिटी और टूरिज़्म सेक्टर में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की है। ग्रुप की परियोजनाएँ आधुनिक सुविधाओं के साथ पारंपरिक बनारसी आतिथ्य को जोड़ती हैं, जिससे शहर की सांस्कृतिक पहचान बनी रहती है और व्यवस्थित विकास को बढ़ावा मिलता है।

विरासत से प्रेरित विस्तार: Coral Fashion

Coral Group की पारंपरिक व्यावसायिक जड़ों से प्रेरित होकर Coral Fashion का विकास हुआ—जो टेक्सटाइल और फैशन के क्षेत्र में समूह की सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाता है। यह पहल स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को आधुनिक बाज़ार से जोड़ते हुए परंपरा और आधुनिकता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है।

राष्ट्रीय मंचों पर पहचान और सम्मान

खा़लिद अंसारी के कार्य और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। उन्हें MSME, ET Now, Jagran Group और Hindustan Group जैसे प्रतिष्ठित मीडिया और संस्थानों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

ये सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि Coral Group की विश्वसनीयता, पारदर्शी कार्यशैली और समाज-केंद्रित दृष्टिकोण की सार्वजनिक स्वीकृति हैं।

विश्वास और विश्वसनीयता का प्रतीक

आज Coral Group कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ब्रांड्स और संस्थानों के साथ जुड़ा हुआ है। ये सहयोग केवल व्यावसायिक साझेदारियाँ नहीं, बल्कि क़ालिद अंसारी की नैतिक व्यावसायिक सोच और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

आगे की राह

भविष्य को लेकर क़ालिद अंसारी की सोच स्पष्ट और संतुलित है। Coral Group आने वाले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज़्म और टेक्सटाइल सेक्टर में ऐसे प्रोजेक्ट्स पर कार्य करता रहेगा, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सार्थक सामाजिक योगदान भी सुनिश्चित करें।

खा़लिद अंसारी की यात्रा विरासत, विकास और मूल्यों के संतुलन की कहानी है—जहाँ व्यवसाय केवल सफलता का साधन नहीं, बल्कि समाज के साथ साझा प्रगति का माध्यम बनता है। आज Coral Group केवल एक बिज़नेस हाउस नहीं, बल्कि वाराणसी के बदलते स्वरूप, जिम्मेदार विकास और मूल्य-आधारित उद्यमिता की एक सशक्त पहचान बन चुका है।

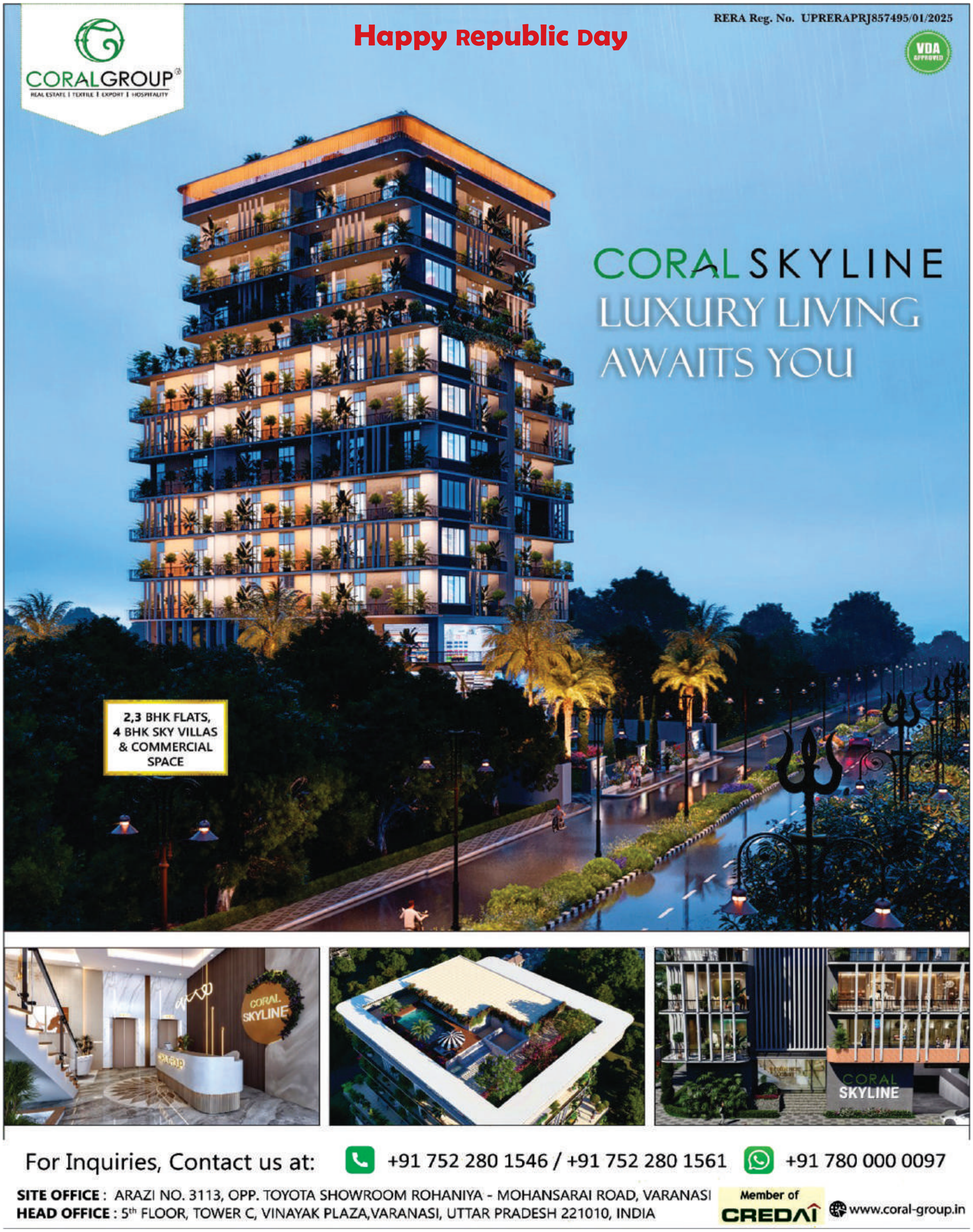
CORALGROUP
REAL ESTATE | TEXTILE | EXPORT | HOSPITALITY
Happy Republic Day
RERA Reg. No. UPRERAPRJ857495/01/2025
VDA APPROVED
CORAL SKYLINE
LUXURY LIVING
AWAITS YOU
2,3 BHK FLATS,
4 BHK SKY VILLAS
& COMMERCIAL
SPACE
CORAL SKYLINE
CORAL SKYLINE
For Inquiries, Contact us at:
+91 752 280 1546 / +91 752 280 1561
+91 780 000 0097
SITE OFFICE : ARAZI NO. 3113, OPP. TOYOTA SHOWROOM ROHANIYA - MOHANSARAI ROAD, VARANASI
HEAD OFFICE : 5th FLOOR, TOWER C, VINAYAK PLAZA,VARANASI, UTTAR PRADESH 221010, INDIA
Member of
CREDAI
www.coral-group.in

BALAJI PALACE Kashi

RAGHUNATH NAGAR, MEHMOORGANJ, VARANASI, 221010 U.P. INDIA

info@balajipalace.co.in
balajipalace.co.in

हर हर महादेव

'काश' का अर्थ है जो प्रकाशित करे तन मन धन जीवन को। काशी वह है जहाँ जीवन, मृत्यु और मोक्ष आपस में जुड़ जाते हैं। यहाँ मन भगवान शिव के तारक मंत्र का जाप करते हुये संभव और अज्ञान को नष्ट कर शांत होता है। दिव्य चेतना और ऊर्जा से भर जाता है। भगवान शिव के त्रिशूल पर बसी यह नगरी भारतीय संस्कृति और वैदिक वाङ्मय के शाश्वत चिरंतन पुरातन सनातनी सभ्यता का प्रतीक है। भगवान आदि शंकराचार्य जब पहली बार पधारे यहाँ तो भगवान विश्वनाथ का दर्शन करते ही भाव विह्वल होकर उनकी दिव्य वामी से एक सूत्र प्रस्फुटित हुआ -

कंठे यस्य विराजते हि गरल गंगाजलं मस्तके
वामांगे गिरिराज राज तनया जाया भवानी सती
नंदीस्कंद गणादिरुद्र सहितो श्री विश्वनाथ प्रभो
काशी मंदिर संस्थितौ अखिल गुरु ध्येयः सदा मंगलम्

आप भी पधारिये और उनका ध्यान, दर्शन, पूजन करके मंगल कीजिए। 'बालाजी पैलेस काशी' मेरी पूजनीया ममतामयी माँ गायत्री देवी प्रातःस्मरणीय पितृ सेठ बेनी प्रसाद लोहिया का स्वप्न एवं मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसे बाबा विश्वनाथ की कृपा वरदान से पूरा करने में अहर्निशि मैं प्रयासरत हूँ। सर्वाधिक ऊर्जावान भूमि काशी के एक कोण में बालाजी पैलेस यहाँ आने वाले दर्शनार्थियों को किंचित विश्राम दे सके ऐसी अभिलाषा है।

वैदिक संस्कृति कहती आयी है - 'आहार शुद्धो सत्व शुद्धिः' हमारे पूर्वजों की उक्ति - जैसा खायेंगे अन्न वैसा ही रहेगा मन और मन ही तो सब कुछ 'मनो बै ब्रह्मा' सूत्र वाक्य है। बालाजी पैलेस के 'इच्छा स्वाद' में हमने यही प्रयोग किया है। हमारे कैम्पस की गौशाला जहाँ इस वास्तु अपलाएंस भवन को और भी समृद्ध करती है वहीं हमारे सिद्धांत, संस्कृति, आदित्रि, रौनक नामक वैंम्वे की पाजिटिविटि एक बार आपके सफल कार्यक्रम के उपरांत बार बार यहीं आपकी हम में बुलाने और आपके आने के लिए विवश कर और हां शिवोहम, धरोहर और संस्कृति हमारे मैजिकल फैमिली विलक्षण पाजिटिविटी देते हैं।

और आप तो जानते ही हैं Think Positive and the things will go right.

"हमारी संस्कृति, हमारा सिद्धांत। हमारी पहचान — सदा रहे हमारे साथ।।"

माँ गायत्री देवी लोहिया बीपीएल सेवा संस्थान ट्रस्ट

ट्रस्टी - संजय लोहिया